शब्द निर्माण

'शब्द निर्माण' से तात्पर्य है –
नए नए शब्दों का बनाया जाना।

नए शब्द बनाने के लिए मूल शब्दों में कुछ शब्दांश जोड़ दिए जाते हैं।

उदाहरण के लिए ⇒

'ईमान' (संज्ञा शब्द) के आरंभ में 'बे' शब्दांश = बेईमान (विशेषण) तथा अंत में 'दार' शब्दांश जोड़कर = ईमानदार (विशेषण) शब्द बनता है।

इसी तरह से →

सुंदर (विशेषण) के आरंभ में 'अ' जोड़कर

अ + सुंदर = असुंदर शब्द बनता है।

अ + सुंदर + ता = असुंदरता। असुंदर के अंत में ता प्रत्यय जुड़ा है।

उदाहरण :

- अनु + गमन = अनुगमन (शब्दांश + मूल शब्द)
- पहाड़ + ई = पहाड़ी (मूल शब्द + शब्दांश)
- स्नान + गृह = स्नानगृह (मूल शब्द + मूल शब्द)

अतः हिंदी भाषा में शब्द निर्माण तीन तरह से हो सकता है :

1. मूल शब्द के आरंभ में शब्दांश जोड़कर
2. मूल शब्द के अंत में शब्दांश जोड़कर
3. मूल शब्द में मूल शब्द जोड़कर

अतः हम देख सकते हैं

शब्द रचना मुख्यतः तीन प्रकार से होती है :

- उपसर्ग द्वारा
- प्रत्यय द्वारा
- समास द्वारा

दुर्घटना	दुर्	घटना
उपसंहार	उप+सम्	हार
उद्घाटन	उत्	घाटन
दुस्साहस	दुस्	साहस
निश्चल	निस्	चल
प्रताप	प्र	ताप
पुनरागमन	पुनर्/पुनः	आगमन
त्रिकाल	त्रि	काल
अंतरात्मा	अंतर्	आत्मा
परीक्षा	परि	ईक्षा

ख) अल, प्रति, सम, नीम उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाइए।

उपसर्ग	मूलशब्द	निर्मित शब्द
अल	मस्त, गरज	अलमस्त, अलगरज
प्रति	शत, दिन	प्रतिशत, प्रतिदिन
सम	पर्क, चार	संपर्क, संचार
नीम	हकीम, होश	नीमहकीम, नीमहोश

प्रत्यय :

प्रत्यय - जो शब्दांश स्वयं कुछ अर्थ नहीं रखते, परंतु शब्दों के अंत में जुड़कर उनके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं, इन्हें प्रत्यय कहते हैं।

उदाहरण :

पालन + हार = पालनहार
बल + शाली = बलशाली
जादू + गर = जादूगर
लड़ + आकू = लड़ाकू आदि ।

उपर्युक्त परिभाषा से स्पष्ट है कि -

क) प्रत्यय भी शब्दांश होते हैं।
जैसे : इक, इया, आई, ता, आवट आदि

ख) प्रत्यय शब्दों के अंत में लगते हैं।
जैसे : मोर + नी = मोरनी
कला + कार = कलाकार
जादू + गर = जादूगर आदि ।

ग) मूल शब्द में जब प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाए जाते हैं, तो कभी कुछ शब्दों में कुछ ध्वनिपरिवर्तन हो जाया करता है और कुछ शब्द अपने मूल रूप में ही बने रहते हैं, जैसे :

खाट + इया = खटिया } ध्वनिपरिवर्तन
बूढ़ा + आपा = बुढ़ापा

लघु + ता = लघुता } कोई परिवर्तन नहीं
मित्र + ता = मित्रता

हिंदी में स्रोत के आधार पर दो तरह के प्रत्यय मिलते हैं :

क) भाववाचक संज्ञाएं बनाने वाले तद्धित प्रत्यय:

प्रत्यय	मूलधातु	निर्मित भाववाचक संज्ञाएँ
आई	अच्छा	अच्छाई
आपा	मोटा	मोटापा
आस	खट्टा	खटास
आहट	गरम	गरमाहट
ई	गरम	गरमी
ता	सुंदर	सुंदरता
त्व	पशु	पशुत्व
पन	बच्चा	बचपन
नी	चाँद	चाँदनी

ख) ऊनवाचक (लघुतावाचक) तद्धित प्रत्यय :

प्रत्यय	मूलधातु	निर्मित शब्द
इया	लोटा	लुटिया
ई	नद	नदी
ओला	खाट	खटोला
री	कोठा	कोठरी

ग) संबंधवाचक तद्धित प्रत्यय

प्रत्यय	मूलधातु	निर्मित शब्द
आल	ससुर	ससुराल
हाल	नानी	ननिहाल
ज/जा	आत्म	आत्मज / आत्मजा
एरा	चाचा	चचेरा

→ मूल शब्द तथा प्रत्यय अलग कीजिए :

मूल शब्द	प्रत्यय	निर्मित शब्द
सप्ताह	इक	साप्ताहिक
पुस्तक	एँ	पुस्तकें
घड़ी	इयाँ	घड़ियाँ
तीर	अंदाज़	तीरंदाज़
जी	इंदा	ज़िंदा
आजमाना	इश	आजमाइश
पाँच	वाँ	पाँचवाँ

→ इमा, इयाँ, आऊ, ऐया प्रत्ययों से शब्दों का निर्माण कीजिए :

प्रत्यय मूलशब्द निर्मित शब्द

क) इमा + लाल = लालिमा
इमा + काल = कालिमा

ख) इयाँ + नारी = नारियाँ
इयाँ + स्त्री = स्त्रियाँ

ग) आऊ + बिक = बिकाऊ
आऊ + कम = कमाऊ

घ) ऐया पढ़ = पढ़ैया
ऐया गा = गवैया

Page No.
Date

- उपसर्ग तथा प्रत्यय दोनों से मिलकर निर्मित शब्द :

उपसर्ग	मूलशब्द	प्रत्यय	शब्द
बे	ईमान	ई	बेईमानी
उप	कार	क	उपकारक
निर्	भय	ता	निर्भयता
निर्	दोष	ई	निर्दोषी
अभि	मान	ई	अभिमानी
अति	आचार	ई	अत्याचारी
अनु	कथन	ईय	अनुकथनीय
परि	पूर्ण	ता	परिपूर्णता
गैर	हाज़िर	ई	गैरहाज़िरी
खुश	नसीब	ई	खुशनसीबी
स	फल	ता	सफलता

- दो प्रत्ययों का एक साथ प्रयोग :

मूलशब्द	प्रत्यय	प्रत्यय	निर्मित शब्द
भारत	ईय	ता	भारतीयता
कर्म	निष्ठ	आ	कर्मनिष्ठा
गुरु	त्व	पूर्ण	गुरुत्वपूर्ण
देख	आवट	ई	दिखावटी
बच्चा	पन	आ	बचपना
भूत	इक	ता	भौतिकता

Page No.
Date :

घ.) कर्तृवाचक बनाने वाले तद्धित प्रत्यय

प्रत्यय	मूलधातु	निर्मित शब्द
आर	लोहा	लोहार
इया	मुख	मुखिया
ई	सुख	सुखी
एरा	साँप	सँपेरा
वान	गाड़ी	गाड़ीवान
वाला	पान	पानवाला
हारा	लकड़ी	लकड़हारा
कार	कथा	कथाकार

ङ.) विशेषण बनाने वाले तद्धित प्रत्यय

प्रत्यय	मूलधातु	विशेषण शब्द
आ	भूख	भूखा
आलु	दया	दयालु
इक	दिन	दैनिक
इत	पुष्प	पुष्पित
ई	लोभ	लोभी
ईय	भारत	भारतीय
ईन	कुल	कुलीन
ईला	चमक	चमकीला
ऊ	बाजार	बाजारू
मान	बुद्धि	बुद्धिमान

प्रत्यय	मूलधातु (क्रिया)	निर्मित शब्द
अंत	रट, गढ़	रटंत, गढ़ंत
आ	पूज, झगड़	पूजा, झगड़ा
आई	चढ़, लड़	चढ़ाई, लड़ाई
आन	थक, उड़	थकान, उड़ान
आप	मिल	मिलाप
आव	बह, फैल	बहाव, फैलाव
आवट	लिख	लिखावट
आस	पी	प्यास
आहट	घबरा	घबराहट
ई	बोल, हँस	बोली, हँसी
औता	समझ	समझौता
औती	चुन, कूट	चुनौती, कौती
न	चल, ले	चलन, लेन

ङ.) क्रियावाचक कृत् प्रत्यय :

प्रत्यय	मूलधातु (क्रिया)	निर्मित शब्द
आ	पढ़, लिख	पढ़ा, लिखा
ता	बह, हँस	बहता, हँसता
कर	खा, पी	खाकर, पीकर
या	खा, सो	खाया, सोया

ख) तद्धित प्रत्यय : तद्धित प्रत्यय से बनने वाले शब्दों को तद्धितांत शब्द कहते हैं, जो कि क्रिया की धातु से अलग किसी अन्य शब्द के अंत में लगते हैं।
तद्धित प्रत्यय पाँच प्रकार के होते हैं :

आकू	लड़	लड़ाकू
इया	घट	घटिया
एरा	लूट	लुटेरा
ऐया	गा	गवैया
हार	सृजन	सृजनहार

ख) कर्मवाचक कृत् प्रत्यय

प्रत्यय	मूलधातु (क्रिया)	निर्मित शब्द
आ	ठेल, झूल	ठेला, झूला
ऊ	झाड़	झाड़ू
औना	खेल	खिलौना
ना	पाल, खा	पालना, खाना
नी	ओढ़, चल	ओढ़नी, चलनी

ग) करणवाचक कृत् प्रत्यय

प्रत्यय	मूलधातु (क्रिया)	निर्मित शब्द
अन	झाड़, बेल	झाड़न, बेलन
आनी	मथ	मथानी
ई	फाँस, रेत	फाँसी, रेती
ऊ	झाड़	झाड़ू
औना	खेल	खिलौना
औटी	कस	कसौटी

घ) भाववाचक कृत् प्रत्यय :

क) कृत् प्रत्यय :
ख) तद्धित प्रत्यय
ग)

क) कृत् प्रत्यय : क्रिया धातु के पीछे लगकर विभिन्न शब्दों की रचना करने वाले प्रत्ययों को कृत् प्रत्यय कहते हैं।

कृत् प्रत्यय से बनने वाले शब्दों को कृदंत (कृत् + अंत) कहते हैं।

जैसे : लिख + आवट - लिखावट
तैर + आक = तैराक

कृत् प्रत्यय के भेद :

कृत् प्रत्यय के मुख्य पाँच भेद हैं :

क) कर्तृवाचक कृत् प्रत्यय
ख) कर्मवाचक कृत् प्रत्यय
ग) करणवाचक कृत् प्रत्यय
घ) भाववाचक कृत् प्रत्यय
ङ) क्रियावाचक कृत् प्रत्यय

क) कर्तृवाचक कृत् प्रत्यय

प्रत्यय	मूलधातु (क्रिया)	निर्मित शब्द
आक	गै	गायक
आक	तैर	तैराक
आका	उड़, लड़	उड़ाका, लड़ाका
अक्कड़	भूल	भुलक्कड़
आऊ	खा	खाऊ
आलू	झगड़	झगड़ालू

3. आगत / विदेशी उपसर्ग

उपसर्ग	मूलशब्द	अर्थ	उदाहरण
ब	खुशी, दौलत	के साथ, से	बखुशी, बदौलत
बा	कायदा, अदब	साथ, से	बाकायदा, बाअदब
बे	चैन, रहम	बिना	बेचैन, बेरहम
बद	नाम, माश	बुरा	बदनाम, बदमाश
सर	पंच, ताज	मुख्य	सरपंच, सरताज
खुश	बू, मिजाज	अच्छा	खुशबू, खुशमिजाज
दर	असल, कार	में	दरअसल, दरकार
ना	लायक, पसंद	अभाव	नालायक, नापसंद
कम	उम्र, ज़ोर	थोड़ा	कमउम्र, कमज़ोर
गैर	हाज़िर, ज़रूरी	भिन्न, रहित	गैरहाजिर, गैरजरूरी
ला	पता, वारिस	नहीं, अभाव	लापता, लावारिस
हम	राज़, दर्द	साथ, आपस में	हमराज़, हमदर्द
हर	हाल, पल	प्रत्येक	हरहाल, हरपल

विदेशी उपसर्ग के अंतर्गत अंग्रेजी के उपसर्ग आते हैं:

चीफ	मिनिस्टर, इंचार्ज	मुख्य	चीफमिनिस्टर, चीफ इंचार्ज
हाफ / हॉफ	पैंट, शर्ट	आधा	हॉफ पैंट, हॉफशर्ट
वाइस	प्रिंसिपल, चेयरमैन	उप	वाइस प्रिंसिपल, वाइस चेयरमैन
सब	रजिस्ट्रार	उप	सबरजिस्ट्रार

4. संस्कृत के अव्यय

उपसर्ग	मूलशब्द	अर्थ	उदाहरण
अंतः/अंतर्	करण, मन	भीतर	अंतःकरण, अंतर्मन
अधः	पतन, गति	नीचे	अधःपतन, अधोगति
अलम्	कार, कृत	पर्याप्त	अलंकार, अलंकृत

आविर्	भाव, भूत	प्रकट	आविर्भाव, आविर्भूत
पुनर्	वास, मिलन	फिर	पुनर्वास, पुनर्मिलन
बहिस् }			बहिष्कार
बहिर् }	कार, मुख	बाहर	बहिर्मुख
सत्	जन, कार	सच्चा	सज्जन, सत्कार
सम	कालीन, कोण	समान	समकालीन, समकोण

दो उपसर्गों से निर्मित शब्द

निर् + आ + करण = निराकरण
प्रति + उप + कार = प्रत्युपकार
सु + सम् + कृत = सुसंस्कृत
अन् + आ + हार = अनाहार
सम् + आ + चार = समाचार
अन् + आ + सक्ति = अनासक्ति
अ + सु + रक्षित = असुरक्षित
सम् + आ + लोचना = समालोचना
सु + सम् + गठित = सुसंगठित
अ + नि + यंत्रित = अनियंत्रित
अति + आ + चार = अत्याचार
अ + प्रति + अक्ष = अप्रत्यक्ष

प्रश्न - अभ्यास

क) नीचे दिए गए शब्दों से उपसर्ग व मूल शब्द छाँटिए !

	उपसर्ग	मूल शब्द
अधिनायक	अधि	नायक
अभिशाप	अभि	शाप
अपमान	अप	मान
आचरण	आ	चरण

अधि	नायक, पति	श्रेष्ठ	अधिनायक, अधिपति
अति	शय, रिक्त	अधिक	अतिशय, अतिरिक्त
उत्	थान, कर्ष	ऊपर	उत्थान, उत्कर्ष
तत्	काल, पश्चात	उसी	तत्काल, तत्पश्चात
दुर्	आचार, जन	बुरा	दुराचार, दुर्जन
नि	मुक्त, वास	नीचे (भीतर)	निकृष्ट, निवास
सम्	पूर्ण, ग्रह	पूर्णता	संपूर्ण, संग्रह
निर्	जन, भय	निषेध	निर्जन, निर्भय
अव	गुण, रोध	बुरा	अवगुण, अवरोध

२. तद्भव (हिंदी) उपसर्ग

उपसर्ग	मूलशब्द	अर्थ	उदाहरण
अ	ज्ञान, छूत	अभाव	अज्ञान, अछूत
अध	मरा, पका	आधा	अधमरा, अधपका
अन	पढ़, होनी	निषेध (अभाव)	अनपढ़, अनहोनी
चौ	पाई, राहा	चार	चौपाई, चौराहा
दु	बला, गुना	कम, दो	दुबला, दुगुना
नि	हत्था, डर	रहित	निहत्था, निडर
पर	दादा, नाना	दूसरी पीढ़ी का	परदादा, परनाना
स/सु	पूत, डौल	अच्छा	सपूत, सुडौल
बिन	ब्याही, जाने	नहीं	बिनब्याही, बिनजाने
भर	मार, पेट	पूरा	भरमार, भरपेट
चौ	पाया, मासा	चार	चौपाया, चौमासा
उन	तीस, सठ	कम	उनतीस, उनसठ
औ	गुन, घट	रहित	औगुन, औघट
क/कु	पूत, चाल	बुरा	कपूत, कुचाल

उपसर्ग
ब
बा
बे
बद
सर
खुश
हर
ना
कम
गैर
ला
हम
हर

उपसर्ग :

उप + सर्ग = उपसर्ग (उपका अर्थ है- समीप, सर्ग का अर्थ है सृष्टिकरना)
जो शब्दांश किसी शब्द के आरंभ में जुड़कर उनके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं, वे उपसर्ग कहलाते हैं।

उदाहरण : अ, अन्, प्र, अभि आदि।

अ + सफल = असफल
अन् + अंत = अनंत
प्र + बल = प्रबल
अभि + मान = अभिमान

★ उपसर्ग से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण बातें :

क) उपसर्ग शब्दांश होते हैं।
जैसे : सु, नि, स, अनु

ख) उपसर्ग शब्दों के आरंभ में लगते हैं।
जैसे : अन + जान = अनजान
प्र + भाव = प्रभाव
उप + हार = उपहार आदि।

ग) उपसर्ग शब्द के अर्थ को प्रभावित करते हैं।
जैसे : उप + हार = उपहार (भेंट)
प्र + हार = प्रहार (वार करना)
आ + हार = आहार (भोजन)
सम् + हार = संहार (मार देना)

हिन्दी में स्रोत के आधार पर चार प्रकार के उपसर्ग प्रचलित हैं :

1. तत्सम (संस्कृत) उपसर्ग

उपसर्ग	मूल शब्द	अर्थ	उदाहरण
अन्	आदि, अंत	नहीं (अभाव)	अनादि, अनंत
अ	धर्म, न्याय	नहीं	अधर्म, अन्याय